BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ..... HARI BHOOMI .....

Date 15/09/2024 ..... Page ..... 11 ..... Column ... 01 .....

Subject ..... हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर बल्कि मूल्यों से भी जोड़ती। .....

हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर बल्कि मूल्यों से भी जोड़ती

- बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम
- शहर के हिंदी के गणमान्य विद्वानों ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में हिंदी दिवस पर सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. एच. एल. वर्मा।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने कहा कि हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, बल्कि यह हमें हमारे इतिहास, परंपराओं और मूल्यों से भी जोड़ती है। हिंदी की सरलता और व्यापकता ने इसे पूरे भारत में एक ऐसी भाषा बना दिया है जिसे आसानी से समझा और बोला जा सकता है। यह हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाती है।

अपनी मातृभाषा को न भूलें : कुलपति

कुलपति ने ये भी कहा कि आज के समय में अंग्रेजी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम अपनी मातृभाषा हिंदी को भूल जाएं। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि हिंदी बोलते समय हम कई बार अंग्रेजी शब्दों का उपयोग करते हैं, जिससे हिंदी के पारंपरिक शब्दों का प्रयोग कम हो गया है। हमें हिंदी शब्दावली को समृद्ध बनाए रखने के लिए सचेत रहना होगा ताकि हमारी भाषा अपनी पहचान और सुंदरता को बनाए रख सके।

पूरे विश्व में पहचानी जाती है हिंदी

मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र की प्रो. प्रीति सागर ने कहा कि आज हिन्दी अपने प्रचार-प्रसार के कारण पूरे विश्व में पहचानी जाती है। आजादी के आन्दोलन में भी हिन्दी भाषा का भरपूर योगदान रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद भी हिन्दी भाषा को बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि देश की आजादी में लगे क्रांतिकारियों ने भी हिन्दी भाषा को बढ़ाने पर बल दिया था। हिन्दी ज्ञान की भाषा है और एक समर्थ भाषा है। हिन्दी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए हमें प्रयास करना चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. बाबूराम ने हिन्दी के महत्व को समझाते हुए हिन्दी के प्रचार प्रसार के विषय में अपनी बात रखी। इस अवसर पर प्रो. राजेन्द्र सिंह और आशा खत्री की पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. सुधीर मलिक, डॉ. सुमन राठी, डॉ. प्रवेश कुमारी, मधुकान्त, श्यामलाल कौशल, प्रो. रामरती, प्रो. आशा सहारण आदि उपस्थित रहे